पृष्ठ संख्या 2

RNI NO.- RAJHIN/2021/80841

संस्कार सृजन

हिन्दी पाक्षिक

सम्पादकः राम गोपाल सैनी
मो.: 9214996258

वर्षः 01 | अंकः 12 | पृष्ठ : 4 | जयपुर, गुरूवार 22 सितम्बर, 2022 | मूल्यः 05 रू. | वार्षिक मूल्य : 150 रू.

रोग की रोकथाम के लिए वैक्सीन की आपूर्ति शीघ्र सुनिश्चित करे केन्द्र सरकार

राजनीतिक विचारधारा से हटकर लम्पी रोग को राष्ट्रीय आपदा घोषित करवाने में करें सहयोगः मुख्यमंत्री

जयपुर (नि.सं.)। मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने कहा कि लम्पी स्किन रोग से गौवंश की जान बचाने के लिए राज्य सरकार हरसंभव प्रयास कर रही है। रोग पर प्रभावी नियंत्रण के लिए सभी जिलों में आवश्यक संसाधन मुहैया करा दिए हैं। सरकार द्वारा गौवंश के लिए किसी भी तरह की कमी नहीं आने दी जाएगी। उन्होंने सोमवार को राजस्थान विधानसभा में मीडिया को संबोधित करते हुए कहा कि रोग की गंभीरता को देखते हुए राज्य सरकार लगातार केंद्र सरकार से लम्पी रोग को राष्ट्रीय आपदा घोषित किए जाने की मांग

कर रही है। गहलोत ने विधानसभा के सभी सदस्यों से आग्रह किया कि वे राजनीतिक विचारधारा से हटकर गौवंश को बचाने के लिए आगे आए। सभी मिलकर केंद्र सरकार से इस रोग को राष्ट्रीय आपदा घोषित कराने की मांग करें।

मुख्यमंत्री ने कहा कि

लम्पी स्किन रोग की रोकथाम के लिए 15 अगस्त, 2022 को मुख्यमंत्री निवास पर सर्वदलीय बैठक बुलाकर विस्तृत चर्चा की थी। इसमें विभिन्न पार्टियों के जनप्रतिनिधियों, धर्मगुरूओं, स्वयंसेवी संस्थाओं, गौशाला संचालकों, पशुपालकों और विशेषज्ञों आदि से लम्पी रोग को लेकर चर्चा की। सभी ने एकराय में इसे गंभीर विषय बताया। इसलिए हम सभी को राजनीतिक मतभेदों को भुलाकर रोग को राष्ट्रीय आपदा घोषित किए जाने के प्रयास करने चाहिए।

नासिरदा में थाना खोलने की स्वीकृति जारी- धारीवाल

जयपुर (नि.सं.)। संसदीय कार्य मंत्री शांति कुमार धारीवाल ने विधानसभा में कहा कि टोंक जिले के नासिरदा में पुलिस थाना खोलने के लिए स्वीकृति जारी कर दी गयी है। शीघ्र ही भूमि आवंटन के पश्चात भवन निर्माण का कार्य कर थाना शुरू किया जाएगा। उन्होंने बताया कि इसके तहत 26 गांवों का सर्वे करवाकर थाने में शामिल करने का कार्य भी कर दिया गया है।

दया दृष्टि फाउंडेशन ने गायों में लंपी रोग से बचाव के लिए निःशुल्क औषधि वितरण केन्द्र किया शुरू

जयपुर (संस्कार सृजन) दया दृष्टि फाउंडेशन द्वारा जीवदया प्रोजेक्ट के अंतर्गत गायों में लंपी रोग से बचाव के लिए निःशुल्क औषधि वितरण केन्द्र निर्माण नगर, जयपुर में प्रारंभ किया गया। इस अवसर पर जागरूकता कार्यक्रम तथा बीमार गायों के लिए आयुर्वेदिक, होम्योपैथिक व अंग्रेजी दवाइयों का वितरण भी शुरू किया गया। निर्माण नगर पार्षद राजू अग्रवाल, श्याम नगर पार्षद पूनम शर्मा, भारत रक्षा मंच प्रदेशाध्यक्ष नटवर लाल शर्मा, प्रमुख सलाहकार पृथ्वीराज शर्मा ,पूर्व सरपंच राजकंवर , दया दृष्टि फाउंडेशन के डायरेक्टर व सदस्य एवं निर्माण नगर निवासियों ने इस पुनीत कार्य में अपनी सहभागिता निभाते हुए हर एक व्यक्ति को गौ वंश की रक्षा का संकल्प लेने के लिए कहा। दया दृष्टि फाउंडेशन की गौ सेवा संयोजक प्रतिभा शर्मा ने सभी आगंतुकों, सहयोगियों का आभार प्रकट किया।

जयपुर में 7 - 8 अक्टूबर को होगा राजस्थानी सिनेमा महोत्सव

जयपुर (संस्कार सृजन) पिंकसिटी जयपुर में 7 - 8 अक्टूबर को दो दिवसीय राजस्थानी सिनेमा महोत्सव का आयोजन किया जा रहा है । जिसके पोस्टर का विमोचन साइंस पार्क में किया गया । आयोजक पीएम डूडी ने बताया कि 7 अक्टूबर को राजस्थानी फिल्म मेकर्स परिचर्चा करेंगे की किस प्रकार से राजस्थानी सिनेमा को आगे बढ़ाया जाए 7 -8 अक्टूबर को राजस्थानी सीने अवॉर्ड्स 2022 का आयोजन किया जाऐगा , जिसमें राजस्थान की कला और संस्कृति के साथ - साथ सिनेमा के लोगों का समागम और सम्मान किया जायेगा । महोत्सव का मुख्य उद्देश्य राजस्थानी भाषा को प्रमोट करना और राजस्थानी सिनेमा का नई दिशा में विकास करना है । राजस्थानी सीने अवॉर्ड्स मैनेजिंग डायरेक्टर पीएम डूडी ने बताया कि ये अवॉर्ड्स शो पूरी तरह राजस्थानी लोगों और राजस्थानी कलाकारों के लिए किया जा रहा है। अभी 10 फिल्में नॉमिनेशन में आई हैं जिनमे से टॉप 5 फिल्मों को 21 कैटेगरी में अवॉर्ड्स दिए जायेंगे। पोस्टर विमोचन के दौरान राजेंद्र गुप्ता ,मंजूर अली कुरेशी, कपिल जांगिड़, एसएम जांगिड़ ,मनोज फोगाट, हर्षित माथुर, गोविन्द सिंह राठौर, प्रभु सिंह बुजारेल, राजेश खन्ना,अनिल भूप, मिनाक्षी शर्मा, दिनेश वर्मा, आर्यन मीणा, धर्मेन्द्र उपाध्याय आदि राजस्थानी सिनेमा के लोग मौजूद रहे ।

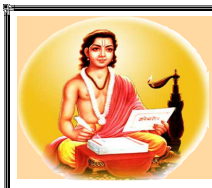

अमूल्य ज्ञान का बोध

✻ सोलह संस्कार

1.गर्भाधान संस्कार 2. पुंसवन संस्कार 3. सीमन्तोन्नयन संस्कार 4. जातकर्म संस्कार 5. नामकरण संस्कार 6.निष्क्रमण संस्कार 7. अन्नप्राशन संस्कार 8. मुंडन संस्कार 9. कर्णवेधन संस्कार 10. यज्ञोपवीत संस्कार 11. वेदारंभ संस्कार 12. केशांत संस्कार 13. समावर्तन संस्कार 14. विवाह संस्कार 15. सन्यास संस्कार 16. अन्त्येष्टि संस्कार

✻ अष्ट सिद्धि

1.अणिमा 2. महिमा 3. गरिमा 4. लघिमा . 5.प्राप्ति 6. प्राकाम्य 7. ईशित्व 8. वशित्व

✻ नव निधियां

1.पद्म निधि 2. महापद्म निधि 3. नील 4. मुकुंद निधि 5. नंद निधि 6.मकर निधि 7. कच्छप निधि 8. शंख निधि 9. खर्व निधि

✻ 27 नक्षत्र

1.आश्विन, 2.भरणी, 3.कृतिका, 4.रोहिणी, 5.मृगशिरा, 6.आर्द्रा 7.पुनर्वसु, 8.पुष्य, 9.आश्लेषा, 10.मघा, 11.पूर्वा फाल्गुनी, 12.उत्तरा फाल्गुनी, 13.हस्त, 14.चित्रा, 15.स्वाति, 16.विशाखा, 17.अनुराधा, 18.ज्येष्ठा, 19.मूल, 20.पूर्वाषाढ़ा, 21.उत्तराषाढ़ा, 22.श्रवण, 23.धनिष्ठा, 24.शतभिषा, 25.पूर्वा भाद्रपद, 26.उत्तरा भाद्रपद और 27.रेवती

✻ 12 राशियाँ

1. मेष 2. वृषभ 3. मिथुन 4. कर्क 5. सिंह 6. कन्या 7. तुला 8. वृश्चिक 9. धनु 10. मकर 11. कुम्भ 12.मीन

✻ नवग्रह

1.सूर्य 2.चंद्र 3.मंगल 4.बुध 5.बृहस्पति 6.शुक्र 7.शनि 8.राहू 9.केतु

✻ चार वेद

1.ऋग्वेद 2.यजुर्वेद 3.सामवेद 4.अथर्ववेद

✻ सप्त ऋषि

1.वशिष्ठ 2.विश्वामित्र 3.कण्व 4.भारद्वाज 5.अत्रि 6.वामदेव 7.शौनक

✻ 18 पुराण

1.ब्रह्म पुराण 2.पद्म पुराण 3.विष्णु पुराण 4. वायु पुराण (शिव पुराण)5.भागवत पुराण 6.नारद पुराण 7. मार्कण्डेय पुराण 8.अग्नि पुराण 9.भविष्य पुराण 10.ब्रह्मवैवर्त पुराण 11.लिंग पुराण 12.वाराह पुराण 13.स्कन्द पुराण 14.वामन पुराण 15.कूर्म पुराण 16.मत्स्य पुराण 17.गरुड पुराण 18.ब्रह्माण्ड पुराण

पार्षद राजेश वर्मा ने की सामुदायिक भवनों में रंग रोगन एवं साज सज्जा की मांग

चौमूं (संस्कार सृजन) नगर पालिका क्षेत्र के सामुदायिक भवनों पर रंग रोगन एवं साज-सज्जा करवाए जाने की मांग को लेकर नगर पालिका पार्षद राजेश कुमार वर्मा ने अधिशाषी अधिकारी देवेंद्र जिंदल को ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन में वर्मा ने बताया कि चौमूं नगरपालिका क्षेत्र के 45 वार्डों में सांसद, विधायक कोष एवं नगर पालिका द्वारा सामुदायिक भवनों के बनने के बाद आज दिनांक तक उनमें रंग रोगन एवं

साज सज्जा नहीं हुई है। सामुदायिक भावनो में ज्यादातर में लाइट व्यवस्था, शौचालय आदि का अभाव होने के कारण आमजन को परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। ज्ञापन के माध्यम से वर्मा ने सामुदायिक भवनों में लाइट, शौचालय आदि की समुचित व्यवस्था के साथ दीपावली से पूर्व सामुदायिक भवनों में रंग- रोगन एवं साज - सज्जा के साथ नगर पालिका की इमारतों पर नगर पालिका मंडल चौमूं लिखवाए जाने की मांग की। इस अवसर पर पार्षद कन्हैया लाल गोयल भी उपस्थित रहे ।

विराज फाउंडेशन द्वारा आयोजित रक्तदान शिविर के पोस्टर का हुआ विमोचन

जयपुर (संस्कार सृजन) विराज फाउंडेशन के तत्वावधान में जयपुर हेल्थ केयर हॉस्पिटल एंड आई केयर सेंटर जयपुर रोड चौमूं पर दिनांक 25 सितंबर 2022 को आयोजित होने वाले विशाल स्वैच्छिक रक्तदान शिविर के पोस्टर का विमोचन चौमूं एसीपी राजेंद्र निर्वाण के द्वारा किया गया । एसीपी निर्वाण ने कहा कि रक्तदान महादान है, रक्तदान कर हम किसी के जीवन को बचा सकते हैं ।

इस दौरान प्रदेश अध्यक्ष भुवनेश तिवाडी, प्रदेश महासचिव बनवारी लाल शर्मा, चौमूं नगर अध्यक्ष डॉ. सीताराम कुमावत, जिला महामंत्री डॉ. महेश सैनी, डॉ. राहुल शर्मा, डॉ. अजीत बागड़ा, डॉ. विजय यादव आदि लोग उपस्थित रहे ।

दूसरी मां सीरियल में उषा श्री दिखाएंगी अभिनय का जलवा

जयपुर (संस्कार सृजन) वरिष्ठ नृत्य गुरु और अभिनेत्री उषा श्री एंड टीवी पर शुरू हो रहे दूसरी मां सीरियल में अपने अभिनय का जलवा दिखाती नजर आएंगी।

उषा श्री ने बताया कि रात 8 बजे से एंड टीवी पर दूसरी मां सीरियल शुरू हो

चुका है जिसमें मेरा दमदार रोल दर्शकों को देखने को मिलेगा। गौरतलब है कि उषा श्री ने कई हिंदी और राजस्थानी फिल्मों में अपने अभिनय की अमिट छाप छोड़ी है और अभी भी न्यू कमर्स एक्टर की तरह एक्टिव रहती हैं ।

संपादकीय

स्टूडेंट्स को तंग न करें

रूस-यूक्रेन युद्ध अभी समाप्त नहीं हुआ है। वहां की यूनिवर्सिटीज का मकसद ट्रांसफर मामले को अधिक से अधिक अटकाए रखना है ताकि स्टूडेंट्स उनके यहां बने रहें और यूनिवर्सिटी को उनसे होने वाली कमाई बंद न हो।रूसी हमले के बाद यूक्रेन से वापस लौटे भारतीय मेडिकल स्टूडेंट्स की समस्याएं जैसे खत्म होने का नाम नहीं ले रहीं। बीच में ही पढ़ाई छोड़ आने को मजबूर इन स्टूडेंट्स के सामने सबसे बड़ी चुनौती यही थी कि वे अपना कोर्स कैसे पूरा करें। उसके बगैर उनका कोई करियर नहीं हो सकता। लंबे इंतजार के बाद इस महीने नैशनल मेडिकल कमिशन (एनएमसी) से उन्हें यह इजाजत मिली कि वे यूक्रेन के विश्वविद्यालयों से अपना ट्रांसफर दुनिया के किसी भी विश्वविद्यालय में करवा सकते हैं। यह उन स्टूडेंट्स के लिए एक बड़ी राहत है। लेकिन सिर्फ कागजों पर। इसे अमल में लाने के लिए जरूरी है कि यूक्रेन के विश्वविद्यालय इनका ट्रांसफर करें और उन्हें उनके ओरिजिनल दस्तावेज सौंपें। मगर इन विश्वविद्यालयों का रवैया न सिर्फ बेतुका बल्कि अमानवीय है। कई संस्थानों ने इन स्टूडेंट्स का ट्रांसफर का अनुरोध सीधे तौर पर खारिज कर दिया है। उनका कहना है कि अब देश में हालात ठीक हैं और इसलिए उन स्टूडेंट्स को वापस आकर कॉलेज जॉइन करना चाहिए। जिन यूनिवर्सिटी और इंस्टिट्यूट्स ने ऐसा मनमाना आदेश जारी नहीं किया और इच्छुक स्टूडेंट्स का ट्रांसफर करना सैद्धांतिक रूप से स्वीकार कर लिया है उनकी तरफ से भी ऐसी ऐसी शर्तें लगाई जा रही हैं जिन्हें पूरा करना मौजूदा हालात में लगभग नामुमकिन है।उदाहरण के लिए, कई यूनिवर्सिटी कह रही हैं कि इन स्टूडेंट्स को तब तक उनके ओरिजिनल पेपर्स नहीं दिए जा सकते, जब तक वे लाइब्रेरी से ली गई किताबें और कॉलेज की अन्य संपत्ति खुद आकर वापस नहीं करते। सचाई यह है कि जिन स्थितियों में ये स्टूडेंट्स वहां से स्वदेश लौटे उनमें यह संभव ही नहीं था कि वे सारा सामान साथ ले आते। मिनिमम सामान के साथ जान बचाते हुए निकल आना ही उस समय संभव था और सबने ऐसा ही किया भी। ये स्टूडेंट्स कह भी रहे हैं कि सारा सामान वे ज्यों का त्यों हॉस्टलों में छोड़ आए। अब कहां वे किताबें ढूंढें और कैसे वापस करें। बाकी औपचारिकताओं के लिए भी स्टूडेंट्स से खुद वहां आने के लिए के लिए कहा जा रहा है।ध्यान रहे रूस-यूक्रेन युद्ध अभी समाप्त नहीं हुआ है। जाहिर है, इन यूनिवर्सिटीज का मकसद ट्रांसफर मामले को अधिक से अधिक अटकाए रखना है ताकि स्टूडेंट्स उनके यहां बने रहें और यूनिवर्सिटी को उनसे होने वाली कमाई बंद न हो। लेकिन यह वक्त ऐसा है जिसमें यूनिवर्सिटी को अपनी कमाई से ऊपर उठकर स्टूडेंट्स के भविष्य के लिहाज से सोचना चाहिए। अगर यूनिवर्सिटी स्वेच्छा से ऐसा नहीं करतीं तो राजनयिक और जरूरत पड़े तो राजनीतिक स्तर पर भी यह मसला उठाया जाए और यह सुनिश्चित किया जाए कि इसका सरल और व्यावहारिक उपाय जल्द से जल्द निकले।

अनंत प्रकाश हमारे भीतर है

प्रभु को पाना कोई मुश्किल कार्य नहीं है। इसके लिए हमें एक सच्चा इंसान बनना है। हमें मोह-माया की जिंदगी में नहीं फंसना है।

जिंदगी में हम क्या पाना चाहते हैं, यह जानते हुए भी हम बहुत-सी बार अपनी मंजिल तक नहीं पहुंच पाते। हम एक ऐसे माहौल में जी रहे हैं, जहां मोह-माया का बहुत बोलबाला है, जहां हर दिन नए आकर्षण हमारे सामने आते हैं और हम उनके अंदर धंसते चले जाते हैं। हम किसी न किसी धर्म के अंदर पैदा होते हैं। हर धर्म यही सिखाता है कि इंसान को प्रभु से जुड़ना है। लेकिन यह जानते हुए भी हम मोह-माया की दुनिया में भटक जाते हैं। कभी इधर जाते हैं, कभी उधर जाते हैं और यह भूल जाते हैं कि रोशनी हमारे भीतर ही है, प्रभु ने अपनी ज्योति हम सबके अंदर जलाई हुई है। वे हमारे भीतर बैठे हुए हैं। उनसे ज्यादा करीब कोई नहीं हो सकता। हमें सिर्फ उन्हें पुकारना है। हमें अंदर की दुनिया की ओर कदम उठाने हैं। सभी महापुरुष हमें अंतर्मुख होने के लिए समझाते आए हैं। परमात्मा हर एक के साथ है। हम उनसे अलग नहीं हैं। यह हमारा नजरिया है, जो कहता है कि हम प्रभु से दूर हैं। जब प्रभु हमारे अंदर बसा हुआ है, तो उससे नजदीक तो और कुछ हो नहीं सकता। लेकिन मोह-माया के जाल में हम इतने फंसे हुए हैंकि यह जानते हुए कि परमात्मा हमारे अंदर है , हम फिर भी उस जाल से निकल नहीं पाते। हम जानते हैं कि सच्चाई की जिंदगी जीना अच्छा है। हम जानते हैं कि अहिंसा का रास्ता अपनाना है। हम जानते हैं कि किसी को दुख-दर्द नहीं देना है। हम जानते हैं कि नम्रता से जीना है। हम जानते हैं कि पवित्रता से जीना है। हम जानते हैं कि निष्काम सेवा-भाव से जीना है। लेकिन यह सब जानते हुए भी हम अपनी जिंदगी वैसी नहीं बनाते। सच्चा इंसान बनना ही मुश्किल है, लेकिन जब हम एक सच्चा इंसान बन जाते हैं, तो प्रभु को पाना कोई मुश्किल कार्य नहीं है। इसके लिए हमें एक सच्चा इंसान बनना है। मोह-माया की जिंदगी में नहीं फंसना है। इससे निकलना आसान नहीं है, लेकिन जितना ज्यादा हाथ-पैर मारेंगे, उतना ही धंसते चले जाएंगे। जब तक अंदर की दुनिया में नहीं जाएंगे, तब तक जिंदगी रोशन नहीं हो पाएगी। वह रोशनी हमारे भीतर है, पर हम अंधेरी जिंदगी जी रहे हैं।

।। दोहे।।

आसमान को ओढ़
कर सोये धरती सेज।
जोगी इस संसार के
बड़े बड़े रंगरेज।।

जीते जी रटता नहीं
राम नाम सुख धाम।
प्राण गये फिर सब
कहे राम ही
सत्य नाम।।

सत्य कहे सब राम है
जग के पालनहार।
पाप करे और घट
भरे कैसा ये संसार।।

उजली चादर मीठी
वाणी पाखण्डी परिवेश
बाहर से तो सब
भला भीतर
कोटी कलेश।।
राजा रंक फकीर
की जलती काया देख।

कह वेणु कविराय
बन्धु कौन बताये भेद।।
कहने को तो है
यहाँ कितने सारे लोग ।
देख तमाशा चल
पड़े पाछे रह गया शोर।।

मानव चोला पहनता
बिना पूंछ का ढ़ोर ।
आँख कान को ढांप
कर पुछे कहाँ है चोर ।।

विनोद शर्मा
वेणु

त्योहारों के इस माह में मन को रखें पवित्र और विचारों को शुद्ध

धार्मिक मान्यताओं के अनुसार आश्विन मास को विशेष माह माना जाता है। आदि शक्ति मां दुर्गा को समर्पित इस माह में पूजा-पाठ और दान-धर्म के कार्य करने से पितरों का आशीर्वाद पाया जा सकता है। नवरात्र और विजयदशमी जैसे प्रमुख त्योहार भी इसी माह मनाए जाते हैं।

इस माह में दान-धर्म के कार्य करना बहुत शुभ होता है। वास्तु में आश्विन माह को लेकर कुछ उपाय बताए गए हैं, आइए जानते हैं इनके बारे में।

इस माह को अधिकमास और पुरूषोत्तम मास के नाम से भी जाना जाता है। इस माह में सूर्य उपासना करें। इस माह में पितृ पूजन और देव पूजन किया जाता है। इस माह से सूर्यदेव धीरे-धीरे कमजोर होने लगते हैं। शनि देव और तमस का प्रभाव बढ़ता जाता है। आश्विन मास में पूर्वजों का तर्पण और पिंडदान किया जाता है। ब्राह्मणों को भोजन कराना चाहिए। कहा जाता है कि आश्विन मास में दान-धर्म करने से दोगुने पुण्य फल की प्राप्ति होती है। इस माह में तिल और घी का दान करने से पुण्यफल प्राप्त होता है। अश्विन मास में मन और विचार की शुद्धता रखें। मन को शांत रखने का प्रयास करें। इस माह में नकारात्मक विचारों को त्याग देना चाहिए। इस माह मां दुर्गा की पूजा-अर्चना करनी चाहिए और दुर्गा सप्तशती का पाठ करना चाहिए। इस माह गुड़ का सेवन कर सकते हैं। आश्विन मास में दूध या दूध से बनी चीजों का सेवन करने से परहेज करना चाहिए। इस माह करेला का सेवन भी नहीं करना चाहिए।

आपका बच्चा पढ़ाई में कमजोर है तो उसे यह कहानी जरूर सुनाएं, कमाल का असर होगा

प्राचीन समय में बोपदेव संस्कृत भाषा के बहुत बड़े विद्वान हुए। बात उनके छात्र जीवन की है। उनकी स्मरण शक्ति बहुत कमजोर थी। बड़ी कोशिशों के बावजूद व्याकरण के सूत्र उन्हें याद नहीं होते थे। इस पर गुरुकुल में उनके सहपाठी भी उन्हें चिढ़ाते रहते थे। इन सब बातों से निराश होकर एक दिन वह गुरुकुल से भाग गए। काफी देर चलने के बाद उन्हें प्यास लगी, तो एक कुएं के पास आकर रुके। कुएं से गांव के लोग पानी भरकर ले जा रहे थे। बोपदेव ने पानी भरने वाली एक महिला से पानी मांगा और पिया। थकान मिटाने के लिए वह कुएं के किनारे बैठकर सुस्ताने लगे। अचानक उनकी निगाह कुएं की मुंडेर पर पड़ी जो पत्थर की बनी हुई थी। उन्होंने गौर से देखा कि उस पर रस्सी खींचने के अनेक निशान बन गए थे। जहां पर महिलाएं पानी भरने के लिए घड़ा रखती थीं, वहां भी पत्थर पर गड्ढे बन गए थे। पत्थर पर पड़े निशान को देखकर बोपदेव चिंतन करने लगे। जब एक मुलायम रस्सी के बार-बार रगड़ने से पत्थर पर भी गड्ढे पड़ सकते हैं, तो फिर क्या लगातार अभ्यास करने से मैं विद्वान नहीं बन सकता। यह विचार करते हुए उन्होंने मन ही मन संकल्प किया कि चाहे कुछ भी हो अब मैं पूरी मेहनत से पढ़ूंगा। मन में यह दृढ़ संकल्प करके बोपदेव उठे और वापस गुरुकुल की ओर चल दिए। गुरुकुल पहुंचकर बोपदेव ने न दिन देखा न रात, वह लगातार तल्लीन होकर पढ़ने लगे। फिर परिणाम भी जल्दी ही सामने आ गया। उन्हें अब सहजता से व्याकरण के सूत्र याद होने लगे। अंत में उन्होंने गुरुकुल में उच्च स्थान प्राप्त किया और उसके बाद संस्कृत भाषा के महान विद्वान पाणिनी के कठिन व्याकरण को सरल बनाकर प्रसिद्ध 'मुग्धबोध' नाम के ग्रंथ की रचना कर डाली। उन्हें राजदरबार का महापंडित भी बनाया गया।

होम फिटनेस आपकी वेट लॉस जर्नी में फ्यूल की तरह काम करेगा सेल्फ मोटिवेशन

वेट लॉस जर्नी में सेल्फ मोटिवेशन ठीक उसी तरह काम करता है, जैसे दुखो को भुलाने में आपके सकारात्मक विचार। इसीलिए वेट लॉस के लिए एक स्ट्रांग मोटिवेशन होना बेहद जरुरी है लाइफ में मोटिवेशन होना बेहद जरुरी है, क्योंकि इससे अपने लक्ष्य को पाना आसान हो जाता है। लेकिन कई बार आलस या किसी परेशानी के कारण हम अपने लक्ष्य से पीछे हटने लगते हैं। इसी प्रकार वेट लॉस जर्नी में मोटिवेशन होना भी बेहद आवश्यक है। क्योंकि इससे आपको अपने लक्ष्य को पाना आसान होगा। यह मोटिवेशन आपकी किसी छोटी इच्छा या किसी बड़े लक्ष्य से जुड़ी हो सकती है। जैसे कि कुछ महीनों में अपनी मन पसंद ड्रेस में फिट होना या कोई अच्छी डिश खा पाना। लेकिन कई बार हमारा मोटिवेशन कमजोर होने पड़ता है और हम अपनी वेट लॉस जर्नी बीच में छोड़ देते हैं। अगर आप भी ऐसी ही समस्या का सामना कर रही है, तो परेशान न हो। क्योंकि आज हम आपको कुछ ऐसी टिप्स के बारें में बताएंगे, जो वेट लॉस जर्नी में सेल्फ मोटिवेशन बनाए रखने में आपकी मदद कर सकते हैं।

1. अपना स्ट्रॉन्ग मोटिव तय करें-वेट लॉस जर्नी के लिए आपके पास एक स्ट्रॉन्ग मोटिव होना बेहद जरूरी है। क्योंकि इसके जरिए आप जब भी अपने वेट लॉस गोल से दूर होंगी, तो आपका लक्ष्य आपको अपनी जर्नी पर रोके रखने में मदद करेगा। नेशनल लाइब्रेरी ऑफ मेडिसिन के मुताबिक अगर आप किसी लक्ष्य को पाने के लिए वजन कम करते हैं, तो आपके सफल होने के चांसेस उन लोगों से ज्यादा होंगे, जो अपने डॉक्टर के कहने पर वजन कम करते हैं।

2. परफेक्शन की उम्मीद न करें-दुनिया में कोई भी इंसान परफेक्ट नहीं होता, अगर आप अपनी वेट लॉस जर्नी में बिल्कुल परफेक्शन की उम्मीद करेंगी, तो आप इससे ज्यादा पाने की उम्मीद करती रहेंगी। इसलिए अपने लक्ष्य पर बने रहने के साथ अपनी हर सफलता को सेलिब्रेट करें। साथ ही खुद पर गर्व महसूस करें।

धर्म दर्शन

पाक्षिक राशिफल

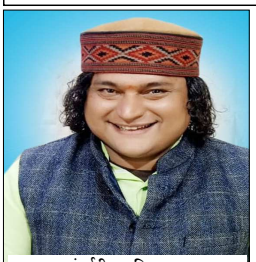

अंतर्राष्ट्रीय भविष्यवक्ता
पंडित रविन्द्राचार्य

1. मेष – मेष राशि के जातकों को सतर्क रहने की जरूरत है। आप पर काम का दवाब बढ़ सकता है। जीवनसाथी की भावनाओं को नजरअंदाज न करें। कारोबार में किसी तरह का जोखिम न लें, आर्थिक नुकसान हो सकता है।

2. वृषभ – वृषभ राशि वालों को शुभ समाचार मिल सकता है। शुरुआत में नौकरी में तरक्की मिल सकती है। कार्यस्थल पर सीनियर्स का सहयोग मिलेगा। प्रतियोगी परीक्षा की तैयारी करने वाले जातकों को सफलता मिल सकती है।

3. मिथुन – मिथुन राशि वालों को खुशखबरी मिल सकती है। रोजगार की तलाश करने वाले जातकों को शुभ समाचार मिल सकता है। नौकरी पेशा करने वाले जातकों को मनचाही तरक्की मिलने के योग बनेंगे। सेहत सामान्य रहेगी।

4. कर्क – कर्क राशि वालों के लिए यह पखवाड़ा अनुकूल रहने वाला है। कैरियर संबंधी यात्रा करनी पड़ सकती हैं। किसी परिचित की मदद से करियर में तरक्की मिल सकती है। धन लाभ के योग बनेंगे।

5. सिंह – सिंह राशि वालों के लिए शुरुआत सकारात्मक रहने वाली है। इस दौरान आप अटके कामों को पूरा कर पाएंगे। भाग्य का साथ मिलेगा। नौकरी में नए अवसरों की प्राप्ति होती है। लव लाइफ सुखद रहेगी।

6. कन्या – कन्या राशि वालों के लिए यह पखवाड़ा बेहद शुभ रहने वाला है। आपको कारोबार संबंधी अड़चनों से मुक्ति मिलेगी। कार्यस्थल पर सीनियर्स का सहयोग मिलेगा। छात्रों को अच्छी खबर मिल सकती है।

7. तुला – तुला राशि वालों के लिए यह पखवाड़ा सकारात्मक परिणाम लेकर आएगा। इस दौरान आपको व्यापार में मुनाफा होगा। आर्थिक परेशानियों से मुक्ति मिलेगी। किसी मित्र की मदद से नौकरी में लाभ हो सकता है। वैवाहिक जीवन सुखद रहेगा।

8. वृश्चिक – वृश्चिक राशि वालों के लिए यह पखवाड़ा खुशियों की सौगात लेकर आ सकता है। आपके कामों में आने वाली अड़चनें दूर होंगी। नौकरी पेशा करने वाले जातकों को कार्यस्थल पर प्रशंसा मिल सकती है। अविवाहितों के लिए विवाह प्रस्ताव आ सकता है।

9. धनु – धनु राशि वालों के लिए यह पखवाड़ा व्यस्तता भरा रह सकता है। शुरुआत में काम का बोझ महसूस कर सकते हैं। घरेलू विवाद की आशंका है। कामकाज में रुकावटें आ सकती हैं।

10. मकर – मकर राशि वालों को विशेष ध्यान देने की जरूरत है। सेहत को लेकर सतर्क रहें। काम के सिलसिले में लंबी दूरी की यात्राएं करनी पड़ सकती हैं। किसी के बहकावे में जोखिम उठाने की गलती न करें।

11. कुंभ – कुंभ राशि वालों के लिए यह पखवाड़ा मिला-जुला रहने वाला है। आपके कामकाज से जुड़ी कोई मुश्किल हल हो सकती है। मित्रों का सहयोग प्राप्त होगा। भवन या भूमि खरीदने का विचार कर रहे हैं तो यह समय उत्तम रहने वाला है। छात्रों के लिए यह समय शुभ रहेगा।

12. मीन – मीन राशि वालों को किसी भी काम में जल्दबाजी करने से बचना चाहिए। इस सप्ताह आप कार्यस्थल पर विशेष सावधानी बरतें। छात्रों का मन पढ़ाई से उचट सकता है। पैसों के मामले में सावधानी बरतें।

(आलेख)

सहिष्णुता एवं आध्यात्मिकता की मिसाल : स्वामी विवेकानंद

डॉ. योगिता जोशी
अनुप्रिया,जयपुर

वैश्विक धरातल पर धर्म की बात हो और भारत का नाम न आए, यह कैसे संभव हो सकता है और आध्यात्मिकता एवं देश की प्रतिष्ठा की बात आए और स्वामी विवेकानंद का नाम न आए यह भी असंभव है । रवींद्रनाथ टैगोर ने रोम्या रोलां को कभी लिखा था कि अगर आप भारत को जानना चाहते हैं तो सबसे पहले स्वामी विवेकानंद का अध्ययन कीजिए। उनमें सब कुछ सकारात्मक है, नकारात्मक कुछ भी नहीं।

स्वामी विवेकानंद एक मानवतावादी वैचारिक मार्गदर्शक एवं आध्यात्मिक चिंतक थे। विवेकानंद जी ने एक बार कहा था कि हमारा सबसे बड़ा दोष असहिष्णुता है । केवल सहिष्णुता, शांति एवं सहयोग ही हम सब को एक दूसरे के निकट ला सकता है । स्वामी विवेकानंद का कहना था कि धर्म एवं ईश्वर को लेकर हम सभी में वैचारिक मतभेद भी हो सकते हैं, परंतु इनके कारण हमें एक दूसरे का त्याग नहीं करना चाहिए । जब धर्मों में इतनी उदारता पैदा हो जाएगी तो उनकी शक्तियां सौ गुना ज्यादा हो जाएगी ।उनका मानना था कि धर्मों में बहुत अद्भुत शक्तियां होती हैं परंतु उनके स्वार्थ भाव के कारण उनसे लोक कल्याण की जगह नुकसान ही हुआ है ।1893 में अमेरिका के वैश्विक धर्म सम्मेलन शिकागो में स्वामी विवेकानंद प्रमुख वक्ता के रूप में भारत का प्रतिनिधित्व कर रहे थे। उन्होंने अपने उद्बोधन में वहाँ के निवासियों को अमेरिका निवासी भगिनी तथा भ्रातृगण कहकर सम्बोधित किया, जिसका अर्थ है अमेरिका निवासी बहनों एवं भाइयों । जिसको सुनकर अगले कुछ मिनटों तक वहां तालियों की गड़गड़ाहट गूँजती रही एवं उपस्थित सभी लोग हर्ष से झूम उठे। उन्होंने संपूर्ण विश्व को अपना कुटुंब कहकर संबोधित किया । दुनिया के सामने पहली बार इस तरह का उदारवादी चिंतन सामने आया था। स्वामी जी ने कहा कि मुझे ऐसे धर्मावलंबी होने का गौरव है, जिसने संसार को समानता तथा सब धर्मों को मान्यता प्रदान करने की शिक्षा दी है। हम लोग सब धर्मों के प्रति केवल सहिष्णुता में ही विश्वास नहीं करते बल्कि समस्त धर्मों को समान और पवित्र मान कर उनको ग्रहण भी करते हैं । मुझे आपसे यह निवेदन करते हुए गर्व होता है कि मैं ऐसे धर्म का अनुयायी हूँ जिसकी पवित्र भाषा संस्कृत में अंग्रेजी शब्द एक्सक्लूज़न का कोई पर्यायवाची शब्द नहीं है । ऐसे देश का व्यक्ति होने का अभिमान है जिसने इस पृथ्वी की समस्त पीड़ित और शरणागत जातियों तथा विभिन्न धर्मों के बहिष्कृत व्यक्तियों को आश्रय दिया है ।

अंत में अपने शब्दों को विराम देने से पहले उन्होंने यह उम्मीद दिखाई की भारत से सांप्रदायिकता, असमानता एवं धर्मांधता का जल्द ही पतन होगा। प्रतिवर्ष 12 जनवरी को स्वामी विवेकानंद के जन्म दिवस को अंतरराष्ट्रीय युवा दिवस एवं करियर गाइडेंस डे के रूप में मनाया जाता है। विवेकानंद सभी युवाओं के लिए प्रेरणा पुंज है। स्वामी विवेकानंद अपने युवा काल से ही बौद्धिकता से परिपूर्ण थे। उनका प्रारंभिक नाम नरेंद्र था। जब वे स्वामी रामकृष्ण परमहंस के संपर्क में आए, तब उन्हें धर्म-अध्यात्म का पर्याप्त ज्ञान मिला और उन्हीं की प्रेरणा से वे पूरी दुनिया में अध्यात्म का प्रचार-प्रसार करने निकल पड़े। आज भी उनका चिंतन हमें दिशा देता है। इसलिए आज के युवाओं को समय निकाल कर स्वामी विवेकानंद के चिंतन को पढ़ना चाहिए। उनके उदारवादी विचारों को आत्मसात करना चाहिए। वे कहा करते थे कि गर्व से कहो हम हिंदू हैं लेकिन उनका हिंदुत्व किसी खास दायरे में नहीं बना हुआ था। वे पूरी तरह उदार और निरपेक्ष होकर सभी धर्मों के लोगों को गले लगाने की बात करते थे, वसुधैव कुटुंबकम की बात करते थे इसलिए आज भी स्वामी विवेकानंद का चिंतन बेहद प्रासंगिक है। विवेक का सच्चा आनंद स्वामी विवेकानंद के निकट जाकर ही मिल सकता है।

(कहानी)कर्मों का भोग निश्चित है

प्रभाती लाल सैनी

एक सिद्ध आचार्य अपने शिष्यों के साथ तीर्थ यात्रा पर निकले । कुछ देर चलने के बाद वे थकान निकालने बीच घने जंगल में ही रुक गये । इतने में आचार्य को कुछ आवाजे सुनाई दी । ध्यान से सुनने पर आचार्य को समझ आया कि यह कुछ लोगो के रोने की आवाज हैं । उन्होंने शिष्यों को बोला- बालको ! सुनो ये आवाजें कहाँ से आ रही हैं ? तब शिष्य एक दूसरे का मुंह देखने लगे क्यूंकि उन्हें कोई आवाज सुनाई नहीं दे रही थी । फिर भी गुरु के आदेशानुसार उन्होंने थोड़ी दूरी पर आकार देखा ।

केवल आचार्य को एक गहरे, अँधेरे कुएँ से कुछ लोगों के रोने की आवाज सुनाई दे रही थी ।आचार्य ने कुएँ में झाँक कर देखा तो उन्हें 5 लोग बहुत ही बुरी दशा में रोते हुए दिखाई दिए ,लेकिन शिष्यों को ना आवाज सुनाई दी और ना ही कुछ दिखाई दिया।

तब आचार्य ने उन पाँच लोगों को मुस्कुराते हुए देखा और पूछा -भाई किन कर्मों को भोग रहे हो ? तब वे पाँचों और जोर-जोर से रुदन करने लगे ।

तब आचार्य ने शिष्यों को बताया- यहाँ 5 प्रेत आत्मायें हैं । यह सुनकर शिष्य डर गये । तब आचार्य बोले बालको डरो नहीं । तुम सभी इनसे ज्यादा शक्तिमान हो क्यूंकि तुम सब कर्मों से महान हो और ये सभी आज अपनी पिछली करनी का भोग रहे हैं । आज के समय में इनसे दुर्बल कोई नहीं हैं ।

तब शिष्य ने पूछा इन्होने ऐसा क्या किया है ? तब पहली आत्मा ने उत्तर दिया कि वह पिछले जन्म में ब्राह्मण था । भिक्षा मांगता था लेकिन उस भिक्षा को भोग विलास में खर्च करता था । दूसरे ने उत्तर दिया वह क्षत्रिय था और अपनी शक्ति का दुरुपयोग निर्बल, असहाय गरीबों पर करता था ।

तीसरे ने उत्तर दिया कि वो बनिया था । बस खुद के फायदे की सोचता था और हमेशा मिलावट करके सामान बेचता था । जिस कारण कई लोग मारे गये । चौथे ने उत्तर दिया वह शुद्र था । बहुत आलसी और जिम्मेदारी से भागता था अपने माता-पिता को पीटता था और दिन रात नशा करता था ।

पांचवे ने उत्तर दिया वह एक लेखक था । अश्लील कथाएँ लिखता था उसने समाज को वासना का पाठ सिखाया था । इस तरह वे सभी पापी अपने पापो को भोग रहे हैं ।

उन्होंने आचार्य से निवेदन किया । आप गुरु हैं, आप दुनियाँ वालों को समझायें कि बुराई का रास्ता क्षण की खुशी देता है, लेकिन इसका दंड कई जन्मों तक अंधकार में भोगना पड़ता है।

(आलेख) विश्व आत्महत्या रोकथाम दिवस:आत्महत्या और हम

लेखक
डॉ. रमाकांत क्षितिज

दुनियां में आत्महत्याओ की संख्या में रोज इज़ाफ़ा हो रहा है। हर वर्ष लगभग 8 लाख लोग आत्महत्या कर लेते हैं।भारत जैसे देश मे भी लगभग एक लाख लोग हर वर्ष आत्महत्या कर लेते हैं।

वैसे भी लगभग दस प्रतिशत लोग मानसिक तनाव में रहते ही है। स्कूल में पैरेंट्स से मिलता रहता हूँ। बहुत से पैरेंट और बहुत से बच्चे भी मानसिक तनाव में रहते हैं। छोटे छोटे बच्चे भी आत्महत्या की बातें करते हैं। जिस तरह हम मीडिया, टीवी,सोशल मिडिया से जानकारी पाते है। बच्चे भी वही से जानकारी पाते हैं। पारिवारिक कलह भी आत्महत्या की कारक है।

भारत में अब आत्महत्या अपराध नही बल्कि अवसाद बीमारी मान ली गयी है।जो की अच्छी बात है।

अवसाद से गाहे बगाहे बहुत से लोग कभी न कभी गुजरते ही हैं। अक्सर अवसाद में रहने वाला व्यक्ति जान भी नही पाता की वह अवसाद में है। उसके आसपास के लोग यदि उसे ध्यान दें तो थोड़ा जानना आसान है। कुछ के लक्षण तो दिखते भी नही।

मसलन कभी कभी बहुत खुश रहने वाला व्यक्ति भी आत्महत्या करके सब को चौका देते है।ज़रूरी नही वह बाहर से भी दुःखी दिखाई दे। जो बातें दूसरों के लिए छोटी होती है। किसी के लिए बड़ी होती हैं।

प्रेमी प्रेमिका के लिए आत्महत्या खासकर कम उम्र के लोगों में या कभी कभी मैच्योर लोगों में भी देखी जाती है।आत्मकेंद्रित लोग जिन्हें लगता है उनका कोई खयाल नही रखता। उनके न रहने से किसी को कोई फर्क नही पड़ेगा। कभी कभी तथाकथित इज़्ज़त आदि के लिए ,किसी कार्य की असफलता के कारण लोग इस तरह के कदम उठाते हैं। ये वे लोग हैं, जिनके जीवन की ड्राइवर सीट पर वे स्वयं न बैठकर दूसरों को बिठा देते है।

मनुष्य एक जैविक प्राणी है। सोना, हँसना, रोना, मनोरंजन, भूख, सेक्स, विषम लिंगी की तरफ आकर्षण ,सजना सवरना आदि। इन सब में यदि किसी में असामान्य लक्षण दिखे तो अवश्य ध्यान देना चाहिए,बहुत ज्यादा एकांत। यह सब मनोविकार अवसाद का कारण हो सकता हैं। जिसका अंत आत्महत्या हो सकती है। कभी - कभी कुछ लोग अवसाद में शांत या किसी नशे के शिकार भी हो सकते हैं।

परिस्थिति जन्य समस्या से बाहर निकला जा सकता है। हम एक शरीर है,जिसमें बहुत सी रसायनिक क्रियाएं होती रहती है।उन क्रियाओं से हममें अनेक परिवर्तन आते है। हमारे हार्मोन्स पर भी उनका गहरा असर होता है। इसलिए मेडिकल की सहायता से इन हार्मोन्स को हमारे अनुकूल किया जा सकता है। अकसर आत्महत्या करने वालों के लिए कायर डरपोक जैसे शब्दों का प्रयोग किया जाता है। जो की पूरी तरह सही नही है।

जिस तरह एक मरीज़ को हम ट्रीट करते है। वैसे ही इसे भी देखना चाहिए।मेरे बचपन के दिनों में एक दूजे के लिए एक फ़िल्म आई थी। मुझे याद है उस फिल्म के बाद कई प्रेमी प्रेमिकाओं ने आत्महत्या की थी।

चूंकि उस फ़िल्म के नायक नायिका फ़िल्म के अंत मे आत्महत्या करते है। यह एक बिडंबना ही है कि सेलिब्रिटी की आत्महत्या से भी सामान्य जन प्रभावित होता है। कई रिसर्च है जिसमें किसी सेलिब्रिटी की आत्महत्या के बाद आत्महत्याओ में बढोत्तरी देखी गई है। इस तरह की घटनाओं को जब आप किसी भी प्लेटफॉर्म पर देखें तो उसे देखने से बचें।

हमारे यहां तो कभी कभी किसी सेलिब्रिटी की आत्महत्या के बाद सोशल मीडिया टीवी पर बहार ही आ जाती है। कोई टब में मर गया तो एंकर टब में पानी भरकर बैठकर रिपोर्टिंग करता है। मनोरंजन बना दिया जाता है। इसका भी हमारे जीवन पर गहरा असर पड़ता है।

लोग अपनी तुलना आत्महत्या करने वाले व्यक्ति से कर उसी तरह का कदम उठा लेते है। हमें इससे बचना भी होगा, दूसरों को भी बचाना होगा। दूसरों से अपनी तुलना न करें। आप जैसे है आप जैसा सन्सार में दूसरा कोई नही।हर व्यक्ति लाखों करोड़ों वर्षों में उस जैसा पहली बार ही पैदा हुआ है।हर व्यक्ति इस संसार मे कम से कम एक व्यक्ति के लिए ही सही दुनियां का सब से प्यारा व्यक्ति है।

अपना महत्व समझें लोगों की राय आप के बारे में क्या है।

इससे ज़्यादा महत्वपूर्ण है आप की राय आप के बारे में क्या है।जीवन को घोड़ा बनाएं उसकी लगाम आप के हाथ होगी। जीवन को हाथी न बनाएं हाथी पर बैठे भी तो आप महावत के ऊपर निर्भर होंगे।यह हाथी तामझाम वाले मित्र,परिवार समाज है। अपनी बातें किसी से शेयर करें सब आप ही की तरह हैं।

आप की सफलता और असफलता औरों की तरह ही है।

इतने बड़े सन्सार में किसी भी मामले में आप अकेले नही....लोगों से कहें ..कोई तो सुनेगा...आप की कोई भी समस्या सिर्फ आप अकेले नही झेल रहे या लड़ रहे,उसी या उस जैसी समस्या से लाखों करोड़ों लोग जूझ रहे हैं... !!

संकलन: विनोद कुमार दुबे, मुंबई

चौमूं में यादव समाज का महासम्मेलन हुआ आयोजित,प्रतिभा सम्मान समारोह में 250 प्रतिभाओं का किया सम्मान

जयपुर (संस्कार सृजन) ग्राम कालाडेरा स्थित श्री श्याम पैराडाइज में विश्व यादव परिषद राजस्थान के तत्वाधान में यादव समाज का महासम्मेलन एवं प्रतिभा सम्मान समारोह कार्यक्रम आयोजित हुआ। समारोह के मुख्य अतिथि बदायूं के पूर्व सांसद धर्मेंद्र यादव ने कहा कि यादव समाज में राजनीतिक एकता लाने की जरूरत है । सरकार को अहीर रेजिमेंट का गठन की जरूरत है । समारोह की अध्यक्षता विश्व यादव परिषद के प्रदेश अध्यक्ष रामदेव यादव ने की ।

कार्यक्रम में यादव ने कहा समाज मे राजनीतिक व शिक्षा के क्षेत्र में जागृति लाने की जरूरत है ।कार्यक्रम में मुख्य वक्ता श्रम पूर्व श्रम मंत्री जसवंत यादव ने कहा यादव समाज में महिला शिक्षा की बहुत जरूरत है । कार्यक्रम के दौरान चिकित्सा एवं शिक्षा एवं सरकारी नौकरी के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने वाले 250 प्रतिभाओं को स्मृति चिन्ह एवं माल्यार्पण कर सम्मानित किया ।

इस मौके पर विश्व यादव परिषद के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. सुरेंद्र यादव परिषद के राष्ट्रीय महासचिव अवधेश यादव,परिषद के युवा मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष वमेश यादव, पंचायत समिति गोविंदगढ़ प्रधान रामस्वरूप यादव, पंचायत समिति जालसू प्रधान हरसाय यादव, पूर्व प्रधान भगवान सहाय यादव, विश्व यादव परिषद प्रदेश महासचिव किशन यादव, परिषद किसान संघ जिला अध्यक्ष देवीलाल यादव, राष्ट्रीय लोकतांत्रिक पार्टी के प्रदेश महामंत्री छुट्टन यादव, पूर्व जिला पार्षद वंदना यादव, विश्व यादव परिषद कोर कमेटी सदस्य अर्जुन लाल यादव, विश्व यादव परिषद जिला अध्यक्ष प्रथम हीरालाल यादव, परिषद तहसील चोमू अध्यक्ष राजू यादव, परिषद के मीडिया प्रभारी भगवान सहाय यादव, धोबलाई के पूर्व सरपंच नंदकिशोर यादव, जयसिंहपुरा सरपंच प्रतिनिधि सरवन यादव, अनंतपुरा चिमनपुरा सरपंच बद्री प्रसाद सिसोटीया, सानदसर सरपंच प्रतिनिधि अशोक यादव, उपाध्यक्ष कल्याण सहाय यादव, जिला प्रचार मंत्री रामस्वरूप यादव, कांग्रेसी नेता सुरेश यादव, कैलाश यादव, नानूराम यादव, रामनिवास यादव, गिरधारी यादव,मालीराम यादव सहित अनेक लोग उपस्थित रहे ।

कार्यक्रम में मंच का संचालन व्याख्याता रामकरण यादव ने किया ।

आदर्श पत्रकार वेलफेयर एसोसिएशन ने 251 पत्रकारों को किया सम्मानित

जयपुर (संस्कार सृजन) चौमूं स्थित राजमहल पैरेडाईज गार्डन में आदर्श पत्रकार वेलफेयर एसोसिएशन द्वारा बेस्ट जर्नलिस्ट अवॉर्ड 2022 का आयोजन मुख्य अतिथि सुशील शर्मा राष्ट्रीय अध्यक्ष आदर्श पत्रकार वेलफेयर एसोसिएशन, सुशीला शर्मा राष्ट्रीय अध्यक्षा विराट बजरंग दल, विशिष्ट अतिथि मोहनलाल डागर उप जिला प्रमुख जयपुर, श्याम शर्मा समाजसेवी, शंकर गौरा पूर्व छात्रसंघ अध्यक्ष विश्व विद्यालय जयपुर, कार्यक्रम की अध्यक्षता डॉ. हनुमान बराला निदेशक बराला हॉस्पिटल चौमूं व सुरेश गोदारा समाज सेवी ने की।

कार्यक्रम का शुभारभ मां सरस्वती के चित्र पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्वलन कर किया गया। मुख्य अतिथि सुशील शर्मा ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए बताया कि पत्रकार समाज में घट रही विभिन्न घटनाओं को समय-समय पर प्रमुखता से प्रकाशित करके असहाय व गरीब को न्याय दिलाने में अपनी भूमिका निभाते हैं । इसके लिए सभी पत्रकार बंधुओं का सम्मान कर संस्थान की ओर से उनका हौसला अफजाई किया गया है। उप जिला प्रमुख मोहनलाल डागर ने बताया कि समाज को सही दिशा देने में मिडिया अहम भूमिका निभाता है। पत्रकारिता समाज का चौथा स्तंभ है। ऋग्वेद के समय में नारदमुनि जी को पत्रकार का दर्जा प्राप्त था। पत्रकार ही जनता की आवाज को प्रशासन तक पहुंचाते हैं, जिससे प्रशासन आमजन की आवाज सुनकर उनकी समस्याओं को समाधान कर सके।

भाजपा नेता श्याम शर्मा ने पत्रकारों से गरीब व असहाय की आवाज़ आमजन तक पहुंचाने का आव्हान किया। ताकि प्रत्येक व्यक्ति को न्याय मिल सके। आदर्श पत्रकार वेलफेयर एसोसिएशन के प्रदेशाध्यक्ष डॉक्टर प्रदीप पारीक ने कहा की सरकार को पत्रकारों की सुरक्षा के लिए कठोर कानून बनाने चाहिए ताकि आए दिन पत्रकारों पर मारपीट और हत्याओं जैसी घटनाओं में कमी आ सके और पत्रकार निष्पक्ष रूप से खबरें प्रकाशित कर सकें। आदर्श पत्रकार वेलफेयर एसोसिएशन के राष्ट्रीय सचिव मुकेश शर्मा ने कहा की में टीम पत्रकारों के हितों के लिए 24 घण्टे हमेशा तत्पर रहूंगा पिछले 8 साल से हमारी संस्था पत्रकारों के लिए धरातल पर कार्य कर रही है। मंच संचालन उषा त्रिपाठी ने किया। राष्ट्रीय सचिव शर्मा ने सभी अतिथिगण का कार्यक्रम में पधारने पर आभार जताया।

इन पत्रकारों का हुआ सम्मान : कार्यक्रम में कमलेश शर्मा, मनोज सैनी, ललित मोहन, कैलाश सिंह राजपुरोहित, पवन पंचारिया, कैलाश गोस्वामी, राकेश चंदेल, प्रकाश बिरामी, निरंजन राजपूत, जयकुमार संत, द्वारका शर्मा, राम गोपाल सैनी, मुकेश सैनी, शोभा राजावत, किरण चौहान, डीके कुमावत, दिनेश कुमावत, संतोष वर्मा, रमेश कुमावत,मुकेश सैनी,उस्मान मणियार, मोतीलाल कुमावत, सुनील पाराशर, श्याम पाराशर, बाबूलाल सैनी,राजेश सैनी सहित 101 पत्रकारों को बेस्ट जर्नलिस्ट अवॉर्ड 2022 से सम्मानित किया गया। साथ ही 150 पत्रकारों को पत्रकार सम्मान समारोह 2022 से सम्मानित किया गया।

मशहूर कॉमेडियन राजू श्रीवास्तव का दिल्ली एम्स में हुआ निधन

नई दिल्ली (संस्कार सृजन) मशहूर कॉमेडियन राजू श्रीवास्तव का एम्स में 21 सितम्बर को निधन हो गया। वे 58 वर्ष के थे। राजू लंबे समय से दिल्ली के एम्स अस्पताल में भर्ती थे। हार्ट अटैक आने के बाद उन्हें यहां लाया गया था। पिछले 42 दिन से उनका यहां इलाज चल रहा था। कॉमेडियन को 10 अगस्त को सुबह हार्ट अटैक आया था, जिसके बाद उन्हें दिल्ली के एम्स में भर्ती कराया गया था। डॉक्टरों ने उनके सिर का सीटी स्कैन कराया तो दिमाग के एक हिस्से में सूजन मिली थी।15 दिन बाद जानकारी मिली कि उन्होंने अपना एक पैर मोड़ा था, लेकिन उन्हें होश नहीं आया और उनका ब्रेन भी रिस्पॉन्स नहीं कर रहा था।

एम्स में राजू की एंजियोप्लास्टी की गई थी, जिसमें हार्ट के एक बड़े हिस्से में 100 प्रतिशत ब्लॉकेज मिला था। राजू के परिवार में उनकी पत्नी शिखा, बेटी अंतरा, बेटा आयुष्मान, बड़े भाई सीपी श्रीवास्तव, छोटे भाई दीपू श्रीवास्तव, भतीजे मयंक और मृदुल हैं। राजू ने 2014 में बीजेपी जॉइन की थी।

वे काम के सिलसिले में दिल्ली पार्टी के कुछ बड़े नेताओं से मिलने के लिए दिल्ली पहुंचे थे। वह दिल्ली के साउथ एक्स के कल्ट जिम में 10 अगस्त की सुबह वर्क आउट कर रहे थे। इस दौरान ट्रेडमिल पर रनिंग करते समय उन्हें चेस्ट में पेन हुआ और वे नीचे गिर गए थे। इसके बाद उन्हें फौरन अस्पताल में भर्ती कराया गया। राजू हमेशा अपनी फिटनेस पर ध्यान रखते थे और वह फिट और फाइन थे। 31 जुलाई तक वो लगातार शोज कर रहे थे, उनके आगे कई शहरों में शोज भी लाइन अप थे।

मुख्यमंत्री निवास पर उपराष्ट्रपति धनखड़ के सम्मान में हुआ रात्रिभोज का आयोजन

जयपुर (संस्कार सृजन) मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने मंगलवार शाम मुख्यमंत्री निवास पर उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ का स्वागत किया। इस अवसर पर धनखड़ के सम्मान में रात्रिभोज का भी आयोजन किया गया। इसमें राज्यपाल कलराज मिश्र, विधानसभा अध्यक्ष डॉ. सी.पी. जोशी, राज्य सभा सांसद नीरज डांगी, मुकुल वासनिक, प्रमोद तिवारी, घनश्याम तिवारी, पूर्व मुख्यमंत्री श्रीमती वसुंधरा राजे, नेता प्रतिपक्ष गुलाब चंद कटारिया,जवाहर लाल नेहरू बाल साहित्य अकादमी के चेयरमैन इकराम राजस्थानी सहित राज्य सरकार के मंत्री, विधायक, जनप्रतिनिधि, अधिकारी सहित प्रदेश के गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

सामोद रोड नीमड़ी निवासी सजना सैनी को मिली पीएचडी की उपाधि

जयपुर (संस्कार सृजन) चौमूं तहसील के सामोद रोड नीमड़ी, ग्राम हाथनौदा निवासी सजना सैनी धर्मपत्नी राधा मोहन सैनी को पीएचडी की उपाधि मिली है । सजना सैनी ने भगवंत विश्वविद्यालय अजमेर से भूगोल संकाय में बदलता फसल प्रारूप व भूजल अवनयन गोविंदगढ़ विकासखंड जिला जयपुर का एक विशेष अध्ययन विषय पर डॉ एल सी वर्मा के निर्देशन में शोध कार्य पूर्ण किया है, जिसमें विकासखंड के ऊपर 40 वर्षों में कृषि प्रारूप व भूजल अवनयन में परिवर्तन, प्रभाव, निष्कर्ष, निदान पर शोध कार्य किया है । गौरतलब है कि सजना सैनी वर्तमान में राजकीय उच्च प्राथमिक विद्यालय उमरचा, पंचायत समिति भैंसरोडगढ़, जिला चित्तौड़गढ़ में 2012 से अध्यापिका पद पर अपनी सेवाएं दे रही है । शोधार्थी ने अपने अध्यापन में निरंतरता रखते हुए पीएचडी की डिग्री प्राप्त की है । सजना सैनी अपनी सफलता का श्रेय अपने परिवार जनों ,माता पिता, गुरुजनों विद्यालय स्टाफ और सभी लोगों को देती है जिन्होंने प्रत्यक्ष -अप्रत्यक्ष रूप से सहयोग और मार्गदर्शन किया है ।

सारांश कैरियर इंस्टिट्यूट डायरेक्टर का अंतर्राष्ट्रीय भविष्यवक्ता पंडित रविन्द्राचार्य ने किया सम्मान

जयपुर (संस्कार सृजन) अंतर्राष्ट्रीय भविष्यवक्ता पंडित रविन्द्राचार्य ने चौमूं शहर के भोजलावा रोड स्थित सारांश कैरियर इंस्टिट्यूट के डायरेक्टर एसएल कुमावत का सम्मान किया । पंडित रविन्द्राचार्य ने सारांश कैरियर इंस्टिट्यूट के नीट की परीक्षा में 30 विद्यार्थी पास होने पर डायरेक्टर एसएल कुमावत को और कोऑर्डिनेटर एसएल डूडी को साफा बंधवा कर, शॉल ओढ़ाकर, बाबा श्याम का दुपट्टा और श्याम कलम देकर सम्मानित किया । आगे भी अच्छा परिणाम देने की भविष्यवाणी की। इस दौरान पंडित हरिओम शास्त्री, सुशील चौधरी ,मुकेश शर्मा, रोहित अग्रवाल आदि गणमान्य मौजूद रहे ।

RNI N0. - RAJHIN/2021/80841
www.sanskarnews.page
स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक, सम्पादक राम गोपाल सैनी के लिए उदय प्रिन्टर्स 43 ए, माली कॉलोनी, चांदपोल, जयपुर से मुद्रित तथा वार्ड नं.1, सामोद रोड़ नीमड़ी, ग्राम-मोरीजा, तहसील-चौमूँ, जिला-जयपुर से प्रकाशित।
EMAIL-sanskarsrijan21@gmail.com